विहार विधान सभा वादवृत्त

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा सदन में मंगलवार, तिथि २८ अप्रैल, १९५३ को पूर्वाह्न ११ बजे माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्मा के सभापतित्व में हुआ।

अल्प-सूचना प्रश्नोत्तर।

Short notice Questions and Answers.

शिक्षण संस्थाओं के वितरण के लिये खरीदी गई पुस्तकें।

*२८०। श्री नवल किशोर सिंह—क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि बिहार राज्य ने सुपरिंटेंडेंट ऑफ लाइब्रेरिज़ के द्वारा पुस्तकालयों एवं शिक्षण संस्था को वितरण करने के लिए १९५२-५३ के वित्तीय वर्ष में पुस्तकें खरीदी थीं, यदि हां तो कितने रुपये की पुस्तकें खरीदी गई;

(ख) क्या यह बात सही है कि बहुत से पुस्तक विक्रेताओं को अभी तक कीमत अदा नहीं की गई है;

(ग) यदि ऐसी बात है तो सरकार इसके लिए जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ कोई कार्रवाई करना चाहती है, यदि नहीं तो क्यों;

(घ) किस तारीख तक उनके रुपये अदा हो जायंगे?

श्री बदरीनाथ वर्म्मा—(क) १९५१-५२ और १९५२-५३ दोनों ही वर्षों के ५२-५३ के वित्तीय वर्ष में कुल मिला कर लगभग ६ लाख रुपये की पुस्तकें खरीदने के लिए आर्डर दिया गया और उसके बाद कुछ पुस्तकें खरीदी भी गयीं।

(ख) बहुत तो नहीं, लेकिन कुछ प्रकाशकों और पुस्तक विक्रेताओं को कीमत अदा नहीं की गयी है।

(ग) सरकार के विचार में बिल का पेमेंट करने में अनावश्यक देरी नहीं की गयी है। बिल को बिना पूरा जांच किये और प्रमाणपत्र को देखे सभी कीमतों को अदा करना अनुचित है। फिर भी माननीय सदस्य को अगर किसी बिल के पेमेंट में अनावश्यक विलम्ब की सूचना मिली हो तो सरकार इस विषय की फौरन जांच करायेगी और आश्वयक आर्डर देगी।

(घ) आशा की जाती है कि दो मास के अन्दर सभी प्रकाशकों और पुस्तक विक्रेताओं को बिल का रुपया अदा हो जायगा।

श्री शरतचन्द्र दास—बिल की जो जांच करायी गयी तो उसमें गड़बड़ी पायी गयी या नहीं?

अध्यक्ष—यह सवाल नहीं उठता है।

*श्री पशुपति सिंह—खंड (ख) के जवाब में कहा गया है कि कुछ पुस्तक विक्रेताओं को बिल का पेमेंट नहीं हुआ, तो इसका क्या कारण है?

*सदस्य की अनुपस्थिति में श्री कपिलदेव नारायण सिंह के अनुरोध से उत्तर दिया गया।

श्री बदरीनाथ वर्म्मा—सुपरिंटेंडेंट के मार्फत किताबें खरीदने का कारण यह है कि नयी लिस्ट बनने में देरी हुई। अगले साल से जो पुराना तरीका था वही बरता जायगा।

Shri JAGANNATH SINGH : Do I take it that the experiment has proved a failure ?

SPEAKER : It is a matter of opinion.

Shri BADRINATH VERMA : It was not an experiment.

श्री हरिहर प्रसाद सिंह—इन किताबों की डिलीवरी सरकार के यहां से कब हुई?

श्री बदरीनाथ वर्म्मा—किताबें कोओपेरेटिव बैंक के द्वारा बांटी जाती है। अगर आप सारी बातों को जानना चाहते हैं तो अलग सूचना दें।

श्री पशुपति सिंह—मैं जानना चाहता हूं कि किस घटना के कारण सरकार यह सोच रही है कि सुपरिंटेंडेंट ऑफ लाइब्रेरी के थ्रू किताब न लेकर पहले जैसा कायदा था वैसे ही करेगी?

श्री बदरीनाथ वर्म्मा—कोई घटना नहीं हुई है।

श्री हृदय नारायण चौधरी—जो किताबें खरीदी गयी उनमें से कितनी बांटी गयी और कितनी नहीं बांटी गयी?

श्री बदरीनाथ वर्म्मा—यह हिसाब में नहीं बता सकता।

जगदेव दास डिवीजनल वेलफेयर औफिसर।

*३०७। श्री शक्ति कुमार—क्या मंत्री, कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे—

(क) श्री जगदेव दास, डिवीजनल वेलफेयर औफिसर, कल्याण विभाग, की नियुक्ति हुए कुल कितने साल हुए, तथा क्या जब से उनकी बहाली हुई तब से उनकी बदली नहीं हुई, यदि हां, तो क्यों;

(ख) सरकार इनकी बदली कब करेगी;

(ग) क्या यह बात सही है कि श्री जगदेव दास के उपर जांच चल रही है अगर हां, तो क्या सरकार ने यह उचित समझा है कि जिस औफिसर के खिलाफ जांच हो उसे उसी स्थान यानी उसी डिवीजन में रहने दिया जाय;

(घ) क्या शेड्यूल्ड ट्राइब्स और शेड्यूल्ड कास्ट्स के असिस्टेंट डाइरेक्टर के पद के लिये पब्लिक सर्विस कमीशन में इनकी परीक्षा हुई; अगर हां तो पब्लिक सर्विस कमीशन ने इनके पक्ष में सिफारिश की या विपक्ष में, अगर विपक्ष में की तो पब्लिक सर्विस

*सदस्य की अनुपस्थिति में श्री रामचन्द्र यादव के अनुरोध से उत्तर दिया गया।

कमीशन के खिलाफ सिफारिश के बावजूद भी इनकी तरक्की के लिये बिहार सरकार की ओर से भारत सरकार के अधीन शेड्यूल्ड ट्राइब्स और शेडयूल्ड कास्ट्स असिस्टेंट डाइरेक्टर के पद के लिये सिफारिश की गई, अगर हां तो क्यों?

श्री भोला पासवान—(क) ४ साल और दूसरा भाग का उत्तर है बदलने की जरूरत नहीं समझी गई।

(ख) इस प्रश्न पर सरकार विचार कर रही है ।

(ग) जांच में विषय विशेष के दृष्टि से उनका स्थान रोकने का क्षतिपूर्ण नहीं समझा गया।

(घ) शिडिउल ट्राइब्स और शिडिउल कास्ट्स के असिस्टेंट डाइरेक्टर के पद के लिए कोई परीक्षा नहीं है।

श्री रामचन्द्र यादव—कहां पर उनका पोस्टिंग है?

श्री भोला पासवान—वे पटना डिवीजन के वेलफेयर आफिसर हैं।

श्री रामचन्द्र यादव—उनके उपर जांच करने की क्या आवश्यकता पड़ी?

श्री भोला पासवान—यह जांच अभी सरकार के विचाराधीन है, मगर मैं आप को इतना बता सकता हूं कि टी० ए० लेकर कुछ झगड़ा है। वे अपनी गाड़ी से टूर किये थे या नहीं, इन्हीं बातों पर झगड़ा है।

श्री भागवत प्रसाद—अभी माननीय मंत्री ने बताया कि पब्लिक सर्विस कमीशन में कोई परीक्षा नहीं हुई इसलिए दूसरा प्रश्न नहीं उठता है। मगर प्रश्न में था कि पब्लिक सर्विस कमीशन ने उनके पक्ष में या विपक्ष में सिपारिश की। परीक्षा नहीं होने पर भी सिपारिश की जाती है कि नहीं?

अध्यक्ष—पब्लिक सर्विस कमीशन में गयी नहीं तो सिफारिश कैसे होगी?

श्री भागवत प्रसाद—मैं जानना चाहता हूं कि बिहार गवर्नमेंट से केन्द्रीय सरकार के पास इनके बारे में सिपारिश की गयी या नहीं?

श्री भोला पासवान—उत्तर ना है।

श्री शिवकुमार पाठक—जांच कब से चल रही है?

श्री भोला पासवान—इसके लिए नोटिश चाहिए।

REPAIRS OF KISHANGANJ-CHAKALIA ROAD.

309. Shri RAUATMAL AGRAWAL : Will the Minister, in charge of the Local Self-Government Department, be pleased to state—

(a) whether it has been brought to the notice of Government that D. B. Road between Kishanganj and Goagaon *via* Chakalia has been neglected for a long time;